झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध) 17/2022 -950

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 17.11.2023

विषयः– विद्यालयों में पी0 एम0 पोषण (मध्याह्न भोजन) उधार पर चलने संबंधी प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय केसंबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक–07.11.2023 को "कई स्कूलों में उधार पर चल रहा है एमडीएम" शीर्षक अन्तर्गत समाचार प्रकाशित हुआ है। प्रकाशित समाचार में राँची जिले के अधिकांश विद्यालयों में पी0 एम0 पोषण (मध्याह्न भोजन) उधार अथवा शिक्षकों के पैसे से चलाये जाने का उल्लेख किया गया है। साथ ही राँची के विभिन्न विद्यालयों की वर्तमान स्थिति से संबंधित समाचार प्रकाशित किया गया है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार पत्र की कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करने की कृपा की जाय।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

17/11/23

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

M.S. - Write to Concerned Secretary 11/11/23

हिन्दुस्तान, दिनांक - 07-11-2023

कई स्कूलों में उधार पर चल रहा एमडीएम

5 जगह 5 रिपोर्टर

रांची के स्कूलों में अधिकांश स्कूलों में मध्याह्न भोजन या तो उधार के भरोसे चल रहा है या शिक्षकों के पैसे से चल रहा है। सरकार द्वारा तय किए गए मेन्यू के अनुसार स्कूल मध्याह्न भोजन परोसने में नाकाम हो रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि दुकानदारों से उधार मांगा जा रहा है। जब उधार अधिक हो जाता है तो जेब से राशि का भुगतान करना पड़ता है।

शिक्षकों के पैसे से खरीदा जा रहा एमडीएम का राशन

जीपीएस खिजूरटोली, कांके

रांची। जीपीएस खिजुरटोली कांके में पहली से पांचवीं में लगभग 200 विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। इनके लिए रोजना मध्याह्न भोजन बन रहा है, लेकिन मेन्यू के अनुसार भोजन देने में स्कूल समक्ष नहीं हो रहा।

प्राचार्य नसीम अहमद कहते हैं कि उधार और शिक्षकों की जेब से जब मध्याह्न भोजन बनाना पड़ता है इसलिए कमियां तो रहेंगी। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में दो बार राशि मिली है। एक बार 32 हजार रुपये और एक बार 21 हजार रुपये।

अभी तक एक लाख 13 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं। दुकानदार अक्सर पैसे के लिए टोकने लगे हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस वित्तीय वर्ष में सभी जगह राशि का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे मध्याह्न भोजन के संचालन में परेशानी आ रही है। जब मध्याह्न भोजन चलाना है तो राशि को लेकर विभाग गंभीर क्यों नहीं होता, यह समझ से परे है।

अनगड़ा के नवागढ़ स्कूल में सोमवार को मध्याह्न भोजन करते बच्चे। • हिन्दुस्तान

दुकानदारों से संबंध पर मिल रहा है राशन

राजकीय मवि रेलाडीह

बुंडू। प्रखंड के रेलाडीह गांव स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय में सोमवार को मध्याह्न भोजन में मेन्यू के अनुसार दाल-भात, हरी सब्जी और अंडा दिया गया। बच्चों ने बताया कि उन्हें मेन्यू के अनुरूप ही मध्याह्न भोजन मिलता है। हालांकि इसे तैयार करनें मे स्कूलों को परेशानी भी हो रही है, क्योंकि राशि का अभाव है।

स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक बसंत गुड़िया ने बताया कि एमडीएम का पैसा नहीं आने के कारण वर्तमान में सिर्फ अंडा का पैसा बचा है।

बेड़ो में भी उधारी से चल रहा एमडीएम

राजकीय मवि जरिया

बेड़ो। प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय जरिया में एमडीएम कभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन यहां उधारी में यह चल रहा है। यह बात विद्यालय के सहायक शिक्षक अशोक कुमार साहू ने कही। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 308 बच्चे नामांकित हैं। सोमवार को 237 बच्चे उपस्थित थे। सभी बच्चों को एमडीएम दिया गया।

उन्होंने कहा कि उधारी में यहां एमडीएम चल रहा है। राशि का भुगतान होने पर चार से छह महीने के अंतराल में दुकानदारों को उधार की रकम की दी जाती है।

सोनाहातू में मेन्यू से अलग मिलता है मध्याह्न भोजन

हाल-ए-स्कूल, सोनाहातू

101 स्कूल सोनाहातू प्रखंड में हैं

- इन स्कूलों में 9410 बच्चे पढ़ते हैं

सोनाहातू। प्रखंड के सरकारी स्कूलों में एमडीएम की राशि उपलब्ध है। हालांकि दीवार पर लगे एमडीएम के मेन्यू के आधार में मध्याह्न भोजन नहीं मिलता। लेकिन बच्चों को भरपूर दाल-भात खिलाया जाता है। सोनाहातू प्रखंड में एक से आठवीं तक 101 स्कूल है; इसमें 9410 बच्चे नामांकित हैं। औसतन स्कूलों में 75 से 80 प्रतिशत बच्चे उपस्थित रहते हैं।

मेन्यू के अनुसार वेज पुलाव, छोला, भुजिया और पापड़ की व्यवस्था नहीं हो पाती है। खिचड़ी बनने पर चोखा और अचार दिया जाता है। मध्याह्न भोजन को लेकर शिकायतें मिलती हैं। जांच कर सुधार करने की बात कही जाती है।

इस संबंध में शिक्षक इंद्रजीत बैठा ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार मध्याह्न भोजन मेन्यू के आधार पर बनता है।

अनगड़ा में दुकानदार के भरोसे चल रहा एमडीएम

राजकीय मवि गेतलसूद

- राजकीय मवि गेतलसूद का दुकानदार के पास उधार अधिक हो गया है
- बीपीओ ने कहा आवंटन आते ही स्कूलों को पैसा मिल जाएगा

प्रखंड के स्कूलों में सुचारु रूप से बच्चों को मध्याह्न भोजन मिल रहा है। हालांकि कुछ स्कूलों में दुकानदारों का उधार अधिक हो गया है। राजकीय मध्य विद्यालय गेतलसूद के प्रधानाध्यापक सहज कुमार महतो ने बताया कि दुकानदार के पास उधार अधिक हो गया है।

दुकानदार से आग्रह और मिन्नत करके राशन लिया जा रहा है। दुकानदार बकाए पैसे की मांग करते हैं। दुकानदारों से अच्छा संबंध रहने से अभी राशन आ है। इस संबंध में विभाग को सूचना दी गई है। प्रखंड के शिक्षा विभाग के बीपीओ पंकज तिर्की ने बताया कि प्रखंड के सभी स्कूलों में मध्याह्न भोजन सुचारु रूप से चल रहा है, आवंटन आते ही स्कूलों को पैसा मिल जाएगा। अब तक एमडीएम में कोई रुकावट नहीं आई है।